मनसा सेवा - 87

अव्यक्त बापदादा :- (15/12/2001)

➳ _ ➳ मनसा सेवा से आप करने वालों को भी बहुत फायदा है। क्यों? जिस आत्मा को मनसा सेवा अर्थात संकल्प द्वारा शक्ति देंगे, सकाश देंगे वह आत्मा आपको दुआ देगी। और आपके खाते में स्व का पुरुषार्थ तो है ही लेकिन दुआओं का खाता भी जमा हो जायेगा तो आपका खाता डबल रीति से बढ़ता जायेगा। इसलिए चाहे नये हैं, चाहे पुराने हैं, क्योंकि इस बारी नये बहुत आये हैं ना! नये जो पहली बारी आये हैं, वह हाथ उठाओ। पहले बारी आये हुए बारी आये हुए बच्चों से भी बापदादा पूछते हैं कि आप आत्मायें मनसा सेवा कर सकती हो?

➳ _ ➳ (बापदादा ने पाण्डवों से, माताओं से सबसे अलगअलग पूछा आप मनसा सेवा कर सकते हो?) यह तो बहुत अच्छा हाथ उठाया, चाहे कोई टी.वी. से देख सुन रहे हैं, चाहे सम्मुख सुन रहे हैं, अभी बापदादा सभी बच्चों को जिम्मेवारी देते हैं कि रोज सारे दिन में कितने घण्टे मनसा सेवा यथार्थ रीति से की, उसका हर एक अपने पास चार्ट रखना। ऐसे नहीं कहना हाँ कर ली।

➳ _ ➳ यथार्थ रूप में कितने घण्टे मनसा सेवा की, वह हर एक चार्ट रखना। फिर बापदादा अचानक चार्ट मंगायेंगे। डेट नहीं बतायेंगे। अचानक मंगायेंगे। देखेंगे कि जिम्मेवारी का ताज पहना या हिलता रहा है? जिम्मेवारी का ताज पहनना है ना! टीचर्स ने तो जिम्मेवारी का ताज पहना हुआ है ना!

➢➢ सकाश देने से

➳_ ➳ स्व पुरुषार्थ का खाता जमा होगा..

➳_ ➳ दुआओं का खाता जमा होगा..

➢➢ मनसा सेवा वही कर सकते हैं...

➳_ ➳ जिन्होंने बहुत समय वाचा सेवा की होगी..

→ मनसा, वाचा, कर्मना तीनों सेवा साथ साथ करनी है...

■ मनसा सेवा के लिए बहुत ज्यादा एकाग्रता चाहिए...

▶ स्थिति बहुत शक्तिशाली चाहिए...

➢➢ दुआएं

➳_ ➳ कर्मना सेवा से बुद्धि बिजी रहती है...

➳_ ➳ इधर उधर भटकती नहीं है...

→ ब्रहमा भोजन खाने वाली आत्माओं की दुआए उसे बनाने वाली सभी आत्माओं को मिलती हैं...

■ ब्रहमा भोजन से उत्तेजना कम हो जाती है...

➢➢ 4 प्रकार की दुआएं

- ➽_ ➽ स्वयम की दुआएं
  - → ख़ुशी के फव्वारे अन्दर से छूटें..
  - → संतुष्टता के भाव हो...
  - → स्वयम को शाबाशी देना...
- ➽_ ➽ बापदादा की दुआएं
  - → कब उसे अच्छा लगेगा... जब उसकी श्रीमत पर चलेंगे...
- ➽_ ➽ ब्राह्मण परिवार की दुआएं
  - → बड़ों की दुआएं
    - ■ अच्छी सेवा से मिलेगी...
  - → छोटों की दुआएं
    - ■ उनको प्यार देने से मिलेगी...
  - → साथियों की दुआएं
    - ■ <u>साथियों में गहरी समझ चाहिए...</u>
    - ■ लव, केयर, अटेंशन, सहारा देना है...
      - ▸ पर ये माँगना नहीं है...
      - ▸ ये देना है, पर भीख नहीं मांगनी है...
      - ▸ <u>हम बड़े हैं... हमें देना है, मांगना नहीं है...</u>
- ➽_ ➽ सर्व आत्माओं की दुआएं
  - → परिचित, सम्बन्ध संपर्क वाली आत्माओं की दुआएं
  - → अपरिचित आत्माओं की दुआएं
    - ■ इन सभी प्रकार की दुआओं का खाता बढाना है..